DSC1B **जनवरी** 2020 **से प्रभावी**

CORE COURSE

Choice Based Credit System

अलंकार/बी०ए०

BHL-C-211

मध्यकालीन हिन्दी कविता

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्य विषय

पाठ्य पुस्तक-प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता, सम्पादक - डॉ० सुरेन्द्र कुमार

प्रकाशक - हरियाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर(हरियाणा)

इकाई 1. (व्याख्या हेतु) :

(क) कबीरदास : सतगुरु की महिमा, मिथ्या आडम्बर, निराकार ब्रह्म, माया

(ख) सूरदास : विनय के पद, बाललीला-वर्णन

(ग) गो.तुलसीदास: वर्षाऋतु-वर्णन, विनय तथा भक्ति के पद,

इकाई 2. (व्याख्या हेतु) :

(क) मीराबाई : भगवद्निष्ठा और समर्पण , भगवद्-विरह

(ख) बिहारी : भक्ति के दोहे,नीति के दोहे, कुसंगति का प्रभाव

(ग) भूषण : शिवाजी-प्रशस्ति

इकाई-3. (क) कबीरदास – कबीरदास की भक्ति भावना, समाज सुधार, कबीर की भाषा, दार्शनिक चेतना.

(ख) सूरदास – भ्रमर- गीत कीविशेषताएँ, विरह-वर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, भक्तिभावना,काव्य कला.

इकाई- 4.(क) गो.तुलसीदास- रचनाएँ , भक्तिभावना, तुलसी का समन्वयवाद, काव्य कला.

(ख) मीराबाई- भक्तिभावना, विरहानुभूति, काव्यगत विशेषताएं एवं भाषा-सौंदर्य .

इकाई-5. (क) बिहारी- श्रृंगार वर्णन, भक्तिभावना, नीतिपरक दोहों का वैशिष्ट~य, बिहारी की बहुज्ञता, काव्य - सौन्दर्य.

(ख) भूषण – रचनाएँ , वीर-भावना, राष्ट्रीय चेतना , काव्य - सौष्ठव .

सहायक ग्रंथ-

1. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. सूरदास- डॉ० हरवंश लाल शर्मा
3. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ.उदयभानु सिंह
4. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
5. बिहारी की वाग्विभूति - डॉ.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. भूषण-विमर्श – भगीरथ प्रसाद दीक्षित